परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

प्रश्न: परमेश्वर ने राजा शाऊल को क्यों अस्वीकार कर दिया, और हम इससे क्या सीखते हैं?

उत्तर:

परमेश्वर ने शाऊल को दो बड़ी बातों के कारण ठुकरा दिया:

1.विद्रोह, और

2.हठीला (जिद्दी) मन।

इन्हीं दो बातों में शाऊल गिर गया, और बाइबल इसे स्पष्ट रूप से समझाती है।

1 शमूएल 15:22–23

तब शमूएल ने कहा,

“क्या यहोवा होमबलियों और बलिदानों में उतना प्रसन्न होता
है

परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

जितना कि यहोवा की वाणी को मानने में?

देख, आज्ञापालन बलिदान से उत्तम है,

और सुनना मेंढ़ों की चर्बी से बेहतर है।

क्योंकि विद्रोह भविष्यद्वाणी के पाप के समान है,

और हठीला व्यवहार मूर्तिपूजा और मूरतों की उपासना के समान
है।

क्योंकि तूने यहोवा के वचन को ठुकराया है,

इसलिए उसने भी तुझे राजा होने से ठुकरा दिया है।”

1. विद्रोह

विद्रोह का अर्थ है सही मार्ग से हट जाना और उसी मार्ग का विरोधी बन जाना। यही शाऊल के साथ हुआ। उसका हृदय धीरे-धीरे परमेश्वर से दूर होने लगा, और वह पूरी तरह जानते हुए भी परमेश्वर की आज्ञाओं के विरुद्ध चलने लगा।

परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2. हठ / ज़िद

शाऊल का दूसरा पाप था हठ (ज़िद)।

एक हठीला व्यक्ति न तो समझाया जा सकता है, न ही वह सलाह मानता है, और न ही अपने विचार बदलता है—जो वह मान चुका है, उसी पर अडिग रहता है।

राजा शाऊल यहोवा के सामने ऐसा ही हठीला था।

उसने जब पहली बार पाप किया—1 शमूएल 13:8–14 में, जहाँ उसने अवैध रूप से बलिदान चढ़ाया—तो परमेश्वर ने उसे डाँटा। लेकिन चेतावनी के बाद भी उसने वही प्रकार की गलती दोबारा की—1 शमूएल 15:14–15 में—जब उसने अमालेकियों से मना किए गए पशु ले आए और कहा कि वह उन्हें यहोवा को बलिदान करना चाहता है।

वह अमालेकियों की मोटी-ताज़ी भेड़ें और बैल लाया, ताकि उन्हें यहोवा के लिए अर्पित कर सके। ऊपर-ऊपर देखकर यह काम बुद्धिमानी जैसा लग सकता है, पर वास्तव में शाऊल ने बड़ा अपराध किया।

वह उन लोगों के पशु उठा लाया जो मूर्ति-पूजक थे—जो अपने देवताओं को बलिदान चढ़ाते थे—और जिन पशुओं का इतिहास वह जानता

परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

भी नहीं था। केवल इसलिए कि वे अच्छे दिखते थे, उन्हें यहोवा को चढ़ाना परमेश्वर का असम्मान था (1 शमूएल 15:14–15)।

यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई वेश्या की कमाई लेकर यहोवा को अर्पित करे—और परमेश्वर ने इसे सख्ती से मना किया है।

व्यवस्थाविवरण 23:18

तू किसी मन्नत को पूरा करने के लिए

वेश्या की कमाई या किसी कुत्ते का मूल्य

यहोवा अपने परमेश्वर के घर में न लाना;

क्योंकि यहोवा को ये दोनों घृणित हैं।

बाइबल यह भी कहती है कि परमेश्वर को ऐसा पशु अर्पित नहीं किया जाना चाहिए जिसमें कोई दोष या अपवित्रता हो (व्यवस्थाविवरण 17:1)।

लेकिन शाऊल ने ऐसे पशु लाए जिनमें अमालेकियों की दुष्टता और

परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

अशुद्धता भरी थी—और उन्हें यहोवा को बलिदान करना चाहता था। यह अत्यंत हठ था।

आज भी ये दोनों बातें—विद्रोह और हठ—परमेश्वर को अप्रसन्न करती हैं

यिर्मयाह 5:22–25

“क्या तुम मुझसे नहीं डरते?” यहोवा कहता है।

“क्या मेरे सामने काँपते नहीं हो?

मैंने समुद्र के लिए बालू को एक सदा रहने वाली सीमा बनाया,

जिसे वह पार नहीं कर सकता।

यद्यपि उसकी लहरें गरजती और उठती हैं,

फिर भी वे उस सीमा को पार नहीं कर सकतीं।

परन्तु इस लोगों का हृदय विद्रोही और हठीला है;

परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

वे मुड़ गए हैं और दूर चले गए हैं।

वे अपने मन में यह नहीं कहते,

‘आओ, हम अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानें,

जो वर्षा देता है—बरसाती और शरद ऋतु की वर्षा अपने समय पर—

और जो हमारे लिए कटाई के नियत सप्ताहों को स्थिर रखता है।’

तुम्हारी अधर्म की कर्मों ने इन्हें तुमसे दूर कर दिया है,

और तुम्हारे पापों ने अच्छे को तुम तक पहुँचने से रोक दिया
है।”

मरनाथा!

प्रति-दिवसीय शिक्षाएँ WhatsApp पर पाने के लिए, हमारे चैनल से जुड़ें:

(मूल लिंक यथावत रखा गया है)

परमेश्वर ने शाऊल को क्यों ठुकराया? (1 शमूएल 15:23)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

कृपया इस संदेश को दूसरों के साथ साझा करें।

प्रार्थना, सलाह, या प्रश्नों के लिए (WhatsApp):

कमेंट बॉक्स में लिखें या संपर्क करें:

+255 789 001 312

+255 693 036 618

Share on:
WhatsApp